

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

सिमरन शर्मा के मेडल पर संकट : विश्व पैरा एथलेटिक्स में गोल्ड और सिल्वर पर डोपिंग का खतरा

Publisher

Published on 11 Oct 2025



विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा और देश की युवा पैरा एथलीट **सिमरन शर्मा** ने दो मेडल जीते। एक ओर जहां उनके गोल्ड और सिल्वर मेडल ने भारत का नाम रोशन किया, वहीं अब उनके मेडल पर संकट मंडराने लगा है। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके **गाइड उमर सैफी** डोपिंग के आरोप में फंसे हैं।

सूत्रों के अनुसार, उमर सैफी पर स्टेरॉयड लेने का आरोप लगा है। पैरा एथलेटिक्स में गाइड का अहम रोल होता है। यह गाइड एथलीट के प्रदर्शन और मार्गदर्शन के लिए जिम्मेदार होता है। किसी भी गाइड की डोपिंग के मामले में एथलीट का परिणाम प्रभावित हो सकता है। ऐसे में सिमरन के मेडल को भी खतरे में डाला जा सकता है।

सिमरन शर्मा ने इस चैंपियनशिप में अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय खेल जगत में एक नई पहचान बनाई। उन्होंने गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतकर देश को गर्व महसूस कराया। लेकिन अब यह डोपिंग विवाद उनके प्रदर्शन को विवादित कर सकता है।

खेल विशेषज्ञों का कहना है कि डोपिंग के मामले में अंतरराष्ट्रीय खेल संघ सख्त रुख अपनाता है। यदि गाइड या एथलीट पर डोपिंग साबित होती है, तो पूरे टीम या संबंधित एथलीट के मेडल रद्द किए जा सकते हैं। ऐसे में सिमरन शर्मा के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण बन गया है।

भारत के खेल संघ और पैरा एथलेटिक्स फेडरेशन ने इस मामले पर जल्द कार्रवाई करने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा है कि जांच के परिणामों का इंतजार किया जाएगा और तब तक किसी भी निर्णय पर टिप्पणी करना सही नहीं होगा।

सिमरन शर्मा के कोच और टीम मेंटॉर ने कहा कि एथलीट ने अपने प्रदर्शन में कोई गलती नहीं की है। उनका समर्पण, मेहनत और खेल भावना अचूक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सिमरन के मेडल उनके प्रयास और कड़ी मेहनत का सही सम्मान बने रहेंगे।

सोशल मीडिया और खेल जगत में इस विवाद ने हलचल मचा दी है। फैंस और खेल प्रेमियों ने सिमरन के समर्थन में आवाज उठाई

है। लोग उनकी मेहनत और देश के लिए उनके योगदान की सराहना कर रहे हैं और गाइड की डोपिंग के आरोपों से उनके मेडल को प्रभावित नहीं करने की मांग कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय नियमों और खेल मानकों की जांच का विषय है। सिमरन की क्षमता और प्रदर्शन पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन नियमों के अनुसार गाइड की डोपिंग से एथलीट के मेडल पर असर पड़ सकता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय कमिटी के निर्णय का इंतजार जरूरी है।

सिमरन शर्मा के मेडल संकट के बावजूद भारतीय खेल प्रेमियों में उनके लिए गर्व और समर्थन की भावना अब भी मजबूत है। उनका यह संघर्ष और प्रतिभा युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

यदि जांच में यह साबित होता है कि गाइड ने डोपिंग किया, तो संभव है कि सिमरन के मेडल रद्द किए जाएं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय खेल कमिटी गाइड की व्यक्तिगत गलती मानते हुए एथलीट के प्रदर्शन को स्वतंत्र रूप से मान्यता देती है, तो सिमरन के मेडल सुरक्षित रहेंगे।

इस विवाद ने भारतीय पैरा एथलेटिक्स और खेल जगत में एक महत्वपूर्ण चर्चा शुरू कर दी है। खेल प्रेमियों और फैस की निगाहें अब अंतरराष्ट्रीय खेल संघ के फैसले पर हैं। सिमरन शर्मा की मेहनत और समर्पण के लिए यह मामला अत्यधिक संवेदनशील और नाजुक बन गया है।

सिमरन शर्मा की इस चैंपियनशिप में सफलता ने दिखाया कि भारतीय पैरा एथलीटों की क्षमता विश्व स्तर पर कितनी मजबूत है। डोपिंग विवाद के बावजूद उनके प्रयास और समर्पण को भारतीय खेल जगत में याद किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय नियमों और फेयर प्ले के सिद्धांतों के अनुसार यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सिमरन के प्रयास और खेल भावना का सही सम्मान हो। फैस की उम्मीद और समर्थन उनके लिए शक्ति का स्रोत बनेगा।

इस मामले में आगामी हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय खेल संघ की जांच रिपोर्ट का इंतजार रहेगा, जो सिमरन शर्मा और उनके मेडल के भविष्य का निर्णय करेगी।